Bihar Board Class 7 Social Science Geography Notes Chapter 8 मानव पर्यावरण अंतःक्रिया : लहाख प्रदेश में जन-जीवन

पाठ का सार संक्षेप

लद्दाख जम्मू-कश्मीर राज्य का एक भाग है । यह तिब्बत के पठार के पश्चिमी सीमा पर है । यहाँ ऐसे तो सालों भर बर्फ रहती है, लेकिन नवम्बर से जनवरी तक के महीनों में यह क्षेत्र पूर्णतः बर्फ में बदल जाता है । पेड़-पौधे कहीं-कहीं नाममात्र के ही हैं । यहाँ की सामान्य ऊँचाई 6700 मीटर है। यहाँ वर्षा नहीं होती बल्कि बर्फ गिरती है । कहीं वनस्पति नहीं दिखाई देती और दिखाई देती थी है तो बहुत कम । जब बर्फ नहीं रहती तब जौ, गेहूँ, जई और आलू आदि फसलें उपजाई जाती हैं। यहाँ अच्छे किस्म का जीरा उपजता है। सिंधु नदी लद्दाख से ही निकलती है। इसके अलावा शियांकबाका, छ् आदि नदियाँ भी बड़ी नदियों में शुमार होती हैं । झरनों की कमी नहीं है । यहाँ बिजली उत्पादन की अपार सम्भावनाएँ हैं । याक यहाँ का मुख्य पशु है ।

इसके दूध से पनीर और मक्खन बनाया जाता है । जंगली भेंड़ें, बकरियाँ भी मिलती हैं। इनके दूध और माँस का उपयोग होता है । याक, भेड़, बकरी के बालों से ऊनी वस्त्र बनाये जाते हैं । कम्बल, लोई व टोपी, जूते आदि कुटीर उद्योग के तहत बनाए जाते हैं। सड़के कम हैं। अधिकांश आवागमन पैदल होता है । लद्दाख के लिए हवाई जहाज उपलब्ध है । रोहतांग दर्रा होकर एक सुरंग बनाई गई है, जिससे होकर सालों पर शेष भारत से लद्दाख का सम्पर्क बना रहता है । सेना के लोग अधिकतर हवाई जहाज और हेलिकॉप्टर से आवाजाही करते हैं। पगडडियाँ भी आवागमन में मुख भूमिका निभाती हैं । यहाँ मंगोल प्रजाति के

लोग हैं, जो बौद्ध धर्म मानते हैं अत: बौद्ध मठों की संख्या अधिक है ।
इन मठों को 'गोम्पा' कहा जाता है। हेमिस, थिकसे, लामायुस प्रसिद्ध
बौद्ध मठ हैं। मठों को चारों ओर से रंगीन झंडे-पताकाओं से घेर दिया
जाता है । उनका मानना है कि झर्ड-पताकाओं पर लिखे संदेश सीधे ईश्वर तक पहुँच जाता है। लद्दाख में ईरानी मूल के कुछ लोग हैं, जिन्हें 'बाल्टी' कहा जाता है । ये इस्लाम धर्म को मानने वाले हैं । यहाँ रहने वाले मनुष्य और पशु यहाँ के वातावरण के योग्य अपने को अनुकूलित कर लिये हैं।

https://www.evidyarthi.in/